

中華成語大辭典

趙棟初題



◎ 简明本

中華成語大辭典

趙樸初題

吉林文史出版社



## 图书在版编目(CIP)数据

中华成语大辞典:简明本/向光忠编. —长春:吉林文史出版社,2002.9

ISBN 7-80626-434-5

I.中... II.向... III.汉语-成语词典  
IV.H136.3

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2000)第  
26505 号

Zhonghua Chengyu Dacidian

中华成语大辞典(简明本) 向光忠 李行健 刘松筠 主编

---

责任编辑:张 克

封面设计:李岩冰

---

吉林文史出版社 850×1168 毫米 64 开本 15.25 印张 1 020 千字  
(长春市人民大街 124 号) 2002 年 9 月第 1 版 2002 年 9 月第 1 次印刷  
长春市第九印刷厂印刷 印数:1-6 260 册 定价:18.00 元  
吉林文史出版社发行 ISBN 7-80626-434-5/H·7

---

探源流，  
貫通古今。

王力



成语之妙，在于运用。  
颊上三毫，龙睛一点。  
与其滥也宁啬。

吕叔湘



搜集宏富  
解說詳明

周祖謨題



|   |   |     |     |     |
|---|---|-----|-----|-----|
| 主 | 编 | 向光忠 | 李行健 | 刘松筠 |
| 编 | 撰 | 周文彬 | 哈九成 | 陈光  |
|   |   | 孙雅光 | 郝岫筠 | 哈珮  |
|   |   | 侯东海 | 韩锋  | 杨树刚 |
|   |   | 傅万景 | 赵侃  |     |
| 资 | 料 | 郝慧筠 | 袁桂琴 | 郝莉筠 |
|   |   | 戴林  | 关肃颖 | 曹立敏 |
| 封 | 面 | 赵朴初 |     |     |
| 题 | 字 |     |     |     |

# 凡 例

## 条 目

- 一、本辞典本着实用性与科学性相统一、普及与提高相结合的原则，汇集成语，逐一解释，包罗一万余条。
- 二、本辞典汇释常用成语之外，并酌收一些曾经活跃于一定历史时期而现今已显得较冷僻的成语，以助于读者阅读古籍。
- 三、本辞典汇释一般成语之外，也酌收少量同成语相近的其它的熟语和正向成语转化的短语，以利于读者丰富语汇。

## 排 列

四、本辞典采用音序排列法，按照汉语拼音字母顺序编次；若遇有读音相同而字形相异的现象，则辅以笔画为序。

1. 各条目均按第一个字读音顺次排列。
2. 第一个字音节相同而声调不同者，按阴平、阳平、上声、去声为序排列。

如：痴人说梦 *chī rén shuō mèng* 持之以恒 *chí zhī yǐ héng*  
尺幅万里 *chǐ fú wàn lǐ* 赤胆忠心 *chì dǎn zhōng xīn*

3. 第一个字同音异形者，按笔画多少排列，笔画少者在先。

如：安之若素 *ān zhī ruò sù* 鞍前马后 *ān qián mǎ hòu*

4. 第一个字同音异形而笔画相同者，按起笔顺序排列，起笔顺序为、一 冫 丨 丿 ㇇ ㇏。

如：挨门逐户 *āi mén zhú hù* 唉声叹气 *āi shēng tàn qì*

5. 第一个字同形异义异调者，按声调顺序分开排列。

如：发踪指示 *fā zōng zhǐ shì* 伐毛洗髓 *fá máo xǐ suǐ*  
发短心长 *fà duǎn xīn cháng*

6. 第一个字完全相同者，则仿照上述编排方式，按第二个字的先后顺序排列，并依此类推。

如：哀兵必胜 *āi bīng bì shèng*



衰而不伤 āi ér bù shāng

## 注 音

- 五、本辞典所辑成语的各个单字，都分别用汉语拼音字母注音。注音以普通话审音委员会编的《普通话异读词三次审音总表初稿》为依据。
- 六、成语中有旧读的字，如“叶公好龙”的“叶”，旧读“shè”，现通读“yè”，按后者注音，并附注旧读。
- 七、在普通话中，“一”、“七”、“八”、“不”等字，常因连读而变调，本辞典为求简便，一律注本调，不注变调。“一”均注为“yī”、“七”均注为“qī”、“八”均注为“bā”、“不”均注为“bù”。

## 释 义

- 八、对成语的释义，一般先将难懂的字、词分别注释，然后串讲整体意义。对浅显易懂者只作串讲，不作分注。
- 九、某些成语，因历史演变而出现多种含义者，先解释本义，再对其在演变过程中出现的其它含义及用法加以说明。
- 十、含有褒贬色彩及其它修辞色彩的成语，一般均指明。
- 十一、含义基本相同而结构方式不同的成语，一般只就其中一个加以解释，而另外一个则注明“见‘××××’”。如“失之交臂”，“见‘交臂失之’”。
- 十二、有些成语在流传中其个别用词曾出现变异，一般以最常用者为条目，其余则在此条下注明“也作‘××××’”。不另列条目加注。如以“百折不挠”为条目，注明“也作‘百折不回’、‘百折不屈’”，而“百折不回”、“百折不屈”则不再列为条目。但为便于读者查检，如同成语的变形表现于开头一字，则分立条目，而仅就其中一条加以注释，其它条目则注明“见‘××××’”。如“恼羞成怒”与“老羞成怒”分立为两个条目，对“恼羞成怒”进行解释，并注明“也作‘老羞成怒’”，而于“老羞成怒”条下则不作解释，只注明“见‘恼羞成怒’”。

## 条目笔画索引

- 一、本索引包括《中华成语大辞典》的全部条目。同一条目中的也作“××××”，在索引中均用括号附列于后。
- 二、索引的左列是成语条目，右列是成语在正文里的页码。
- 三、各条成语按汉字的笔画笔形排列。首先按每条成语的第一个字的笔画多少排列，笔画少者在前，笔画多者在后，笔画相同者按笔顺笔形排列。
- 四、笔形分八种，次序是点(丶)横(一)横折(冫)竖(丨)竖折(└)撇(丿)撇折(㇇)捺(㇏)。如“言归于好”条的第一个字“言”为七画，第一笔的笔形是“丶”，就排列在七画[丶]类里。第一个字相同的成语按第二个字的笔画笔形排列(依此类推)。例如“言归(五画)于好”就排在“言为(四画)心声”的后面“言而(六画)有信”的前面。

|         |       |         |      |       |      |         |     |
|---------|-------|---------|------|-------|------|---------|-----|
| 一画      | 一夕九徙  | 653     | 一孔之见 | 645   | 一目了然 | 647     |     |
| 〔一起〕    | 一个半斤, |         | 一日九迁 | 650   | 一叶知秋 | 655     |     |
| 一二其详    | 641   | 一个八两    | 643  | 一日之长  | 650  | 一叶障目,   |     |
| 一了百了    | 646   | 一方之任    | 642  | 一日之雅  | 650  | 不见泰山    | 655 |
| 一了百当    | 646   | 一文不名    | 652  | 一日三秋  | 650  | 一生愧辱    | 651 |
| 一刀两断    | 641   | 一文如命    | 652  | 一日万机  | 650  | 一失足成千古恨 | 651 |
| 一方吹嘘    | 646   | 一计不成,   |      | 一日千里  | 650  | 一丘一壑    | 649 |
| 一方承当    | 646   | 又生一计    | 644  | 一见如故  | 644  | 一丘之貉    | 649 |
| 一人之交    | 650   | 一心一意    | 654  | 一见钟情  | 644  | 一代文宗    | 641 |
| 一人传虚,   |       | 一无长物    | 653  | 一见倾心  | 644  | 一代文豪    | 641 |
| 万人传实    | 649   | 一无可取    | 653  | 一以当十  | 655  | 一代不如一代  | 640 |
| 一人向隅    | 650   | 一无所见    | 653  | 一以贯之  | 655  | 一代风流    | 640 |
| 一人得道,   |       | 一无所长    | 653  | 一气呵成  | 649  | 一代宗王    | 641 |
| 鸡犬升天    | 650   | 一无所失    | 653  | 一牛九锁  | 648  | 一代宗臣    | 641 |
| 一人善射,   |       | 一无所成    | 653  | 一牛吼地  | 648  | 一代国色    | 640 |
| 百夫决拾    | 650   | 一无所有    | 653  | 一手一足  | 651  | 一代谈宗    | 640 |
| 一人毁誉    | 650   | 一无所取    | 653  | 一手包办  | 651  | 一代鼎臣    | 640 |
| 一之谓甚    | 656   | 一无所知    | 653  | 一手独拍, |      | 一代楷模    | 640 |
| 一门千指    | 647   | 一无所闻    | 653  | 虽疾无声  | 651  | 一斥不复    | 640 |
| 一门百笏    | 647   | 一无所能    | 653  | 一手遮天  | 651  | 一发千钧    | 642 |
| 一门同气    | 647   | 一无所得    | 653  | 一毛不拔  | 647  | 一发破的    | 641 |
| 一千一方    | 643   | 一无是处    | 653  | 一片冰心  | 648  | 一丝一毫    | 652 |
| 一千二净    | 643   | 一夫之用    | 642  | 一片宫商  | 648  | 一丝不苟    | 652 |
| 一寸丹心    | 640   | 一夫之勇    | 642  | 一仍旧贯  | 650  | 一丝不挂    | 652 |
| 一寸光阴一寸金 | 640   | 一夫可守    | 642  | 一反常态  | 642  | 一丝半缕    | 652 |
| 一己之私    | 644   | 一夫当关,   |      | 一介之才  | 645  | 一字一珠    | 657 |
| 一马平川    | 647   | 万夫莫开    | 642  | 一介不取  | 644  | 一字之师    | 657 |
| 一马当先    | 646   | 一夫舍死,   |      | 一介书生  | 644  | 一字千金    | 657 |
| 一飞冲天    | 642   | 万夫莫当    | 642  | 一去不复返 | 649  | 一字不苟    | 657 |
| 一口三舌    | 645   | 一夫得情,   |      | 一世之雄  | 651  | 一字见心    | 657 |
| 一口同音    | 645   | 千室鸣弦    | 642  | 一本万利  | 638  | 一字百炼    | 657 |
| 一口吸尽西江水 | 645   | 一五一十    | 653  | 一本万殊  | 638  | 一字连城    | 657 |
| 一口两匙    | 645   | 一木难支    | 647  | 一本正经  | 638  | 一字褒贬    | 657 |
| 一夕九升    | 653   | 一不做,二不休 | 639  | 一龙一蛇  | 646  | 一决雌雄    | 645 |
|         |       | 一犬吠形,   |      | 一龙一猪  | 646  | 一衣带水    | 655 |
|         |       | 百犬吠声    | 649  | 一民同俗  | 647  | 一问三不知   | 652 |
|         |       |         |      | 一目十行  | 648  |         |     |

|         |     |        |     |       |     |       |     |
|---------|-----|--------|-----|-------|-----|-------|-----|
| 一动不如一静  | 641 | 一言而喻   | 654 | 一身两头  | 651 | 一金之俸  | 645 |
| 一场春梦    | 639 | 一言既出，  |     | 一身两役  | 651 | 一命呜呼  | 647 |
| 一扫而光    | 650 | 驷马难追   | 654 | 一身是胆  | 651 | 一贫如洗  | 648 |
| 一匡天下    | 645 | 一言难尽   | 654 | 一纸空文  | 656 | 一举一动  | 645 |
| 一成之旅    | 639 | 一言陷人   | 654 | 一泻千里  | 654 | 一举千里  | 645 |
| 一成不变    | 639 | 一言僨事   | 654 | 一波三折  | 638 | 一举手之劳 | 645 |
| 一而再，再而三 |     | 一应俱全   | 655 | 一波未平， |     | 一举成名  | 645 |
|         | 641 | 一床两好   | 640 | 一波又起  | 638 | 一举两失  | 645 |
| 一阶半级    | 644 | 一床锦被遮盖 | 640 | 一定之计  | 641 | 一举两得  | 645 |
| 一曲千金    | 649 | 一来二去   | 646 | 一定之论  | 641 | 一派胡言  | 648 |
| 一团和气    | 652 | 一劳永逸   | 646 | 一定之规  | 641 | 一差二错  | 639 |
| 一团漆黑    | 652 | 一花五叶   | 644 | 一定不易  | 641 | 一语为重  | 655 |
| 一则以喜，   |     | 一技之长   | 644 | 一官半职  | 643 | 一语破的  | 655 |
| 一则以惧    | 656 | 一抔黄土   | 648 | 一空依傍  | 645 | 一语道破  | 655 |
| 一帆风顺    | 642 | 一还一报   | 644 | 一刻千金  | 645 | 一误再误  | 653 |
| 一网打尽    | 652 | 一改故辙   | 642 | 一视同仁  | 651 | 一草一木  | 639 |
| 一尘不染    | 639 | 一张一弛   | 656 | 一表人物  | 638 | 一柱难撑  | 657 |
| 一年之计在于春 |     | 一步一鬼   | 639 | 一事无成  | 651 | 一柱擎天  | 657 |
|         | 648 | 一步登天   | 639 | 一枕黄粱  | 656 | 一树百获  | 651 |
| 一年半载    | 648 | 一时半刻   | 651 | 一枝自足  | 656 | 一相情愿  | 653 |
| 一年被蛇咬，  |     | 一别如雨   | 638 | 一板三眼  | 638 | 一挥而就  | 644 |
| 三年怕草索   | 648 | 一男半女   | 648 | 一拥而上  | 655 | 一面之交  | 647 |
| 一传十，十传百 |     | 一串骊珠   | 640 | 一拍即合  | 648 | 一面之荣  | 647 |
|         | 640 | 一坐之间   | 657 | 一卧不起  | 653 | 一面之缘  | 647 |
| 一行作吏    | 654 | 一坐尽倾   | 657 | 一国三公  | 643 | 一面之辞  | 647 |
| 一如既往    | 650 | 一坐尽惊   | 657 | 一呼百应  | 643 | 一面如旧  | 647 |
| 一穷二白    | 649 | 一针一线   | 656 | 一呼百诺  | 643 | 一点灵犀  | 641 |
| 一牢永定    | 646 | 一针见血   | 656 | 一鸣惊人  | 647 | 一哄而起  | 643 |
| 一言一行    | 654 | 一饮一啄   | 655 | 一败如水  | 638 | 一哄而散  | 643 |
| 一言九鼎    | 654 | 一饭千金   | 642 | 一败涂地  | 638 | 一哄而集  | 643 |
| 一言之信    | 655 | 一体同心   | 652 | 一知半解  | 656 | 一星半点  | 654 |
| 一言为定    | 654 | 一佛出世   | 642 | 一乘虔诚  | 638 | 一览无余  | 646 |
| 一言不发    | 654 | 一佛出世，  |     | 一物降一物 | 653 | 一竿风月  | 643 |
| 一言不再    | 654 | 二佛生天   | 642 | 一往无前  | 652 | 一脉相传  | 647 |
| 一言以蔽之   | 655 | 一身二任   | 651 | 一往情深  | 652 | 一狼百狼  | 643 |
| 一言半语    | 654 | 一身无累   | 651 | 一狐之腋  | 643 | 一食万钱  | 651 |
| 一言立信    | 654 | 一身百为   | 651 | 一念之差  | 648 | 一统天下  | 652 |

|       |     |        |     |          |     |          |     |
|-------|-----|--------|-----|----------|-----|----------|-----|
| 一家一计  | 644 | 一得之愚   | 641 | 一潭死水     | 652 | 十年生聚,    |     |
| 一家之言  | 644 | 一溃千里   | 645 | 一瞑不视     | 647 | 十年教训     | 483 |
| 一家眷属  | 644 | 一寒如此   | 643 | 一暴十寒     | 649 | 十年树木,    |     |
| 一窍不通  | 649 | 一痛决绝   | 652 | 一箭双雕     | 644 | 百年树人     | 484 |
| 一浆十饼  | 644 | 一谦四益   | 642 | 一德一心     | 641 | 十年寒窗     | 483 |
| 一诺千金  | 648 | 一斑窥豹   | 638 | 一颦一笑     | 648 | 十行俱下     | 483 |
| 一索得男  | 652 | 一琴一鹤   | 649 | 一薰一莸     | 654 | 十全十美     | 484 |
| 一壶千金  | 643 | 一落千丈   | 646 | 一臂之力     | 638 | 十步九回头    | 483 |
| 一顾千金  | 643 | 一朝一夕   | 656 | 一簧两舌     | 644 | 十步芳草     | 483 |
| 一顾倾城  | 643 | 一朝之忿   | 656 | 一瓣心香     | 638 | 十室九空     | 484 |
| 一通百通  | 652 | 一朝之患   | 656 | 一蹴而就     | 640 | 十室之邑,    |     |
| 一隅之见  | 655 | 一朝天子   | 朝臣  | 一蹶不振     | 645 | 必有忠信     | 484 |
| 一隅之地  | 655 |        | 639 | 一蟹不如一蟹   | 654 | 十指连心     | 484 |
| 一隅三反  | 655 | 一朝权在手, |     | 一鳞半爪     | 646 | 十面埋伏     | 483 |
| 一笔勾销  | 638 | 便把令来行  | 656 | 一夔已足     | 645 | 十病九痛     | 483 |
| 一笔抹杀  | 638 | 一登龙门,  |     |          |     | 十恶不赦     | 483 |
| 一笑千金  | 654 | 声价十倍   | 641 |          |     | 十全九稳     | 483 |
| 一笑置之  | 654 | 一喷一醒   | 648 |          |     | 丁一卯二     | 134 |
| 一钱不值  | 649 | 一馈十起   | 646 | 二八佳人     | 152 | 丁一确二     | 134 |
| 一钱如命  | 649 | 一觞一咏   | 650 | 二人同心, 其利 |     | 丁是丁, 卯是卯 | 134 |
| 一息尚存  | 653 | 一傅众咻   | 642 | 断金       | 152 |          |     |
| 一倡三叹  | 639 | 一新耳目   | 654 | 二一其德     | 152 | 七十二行     | 394 |
| 一倡百和  | 639 | 一新面目   | 654 | 二心两意     | 152 | 七大小      | 393 |
| 一清二白  | 649 | 一意孤行   | 655 | 二五耦      | 152 | 七上八下     | 393 |
| 一清二楚  | 649 | 一鼓而擒   | 643 | 二分明月     | 152 | 七日来复     | 393 |
| 一着不慎, |     | 一鼓作气   | 643 | 二者必居其一   | 152 | 七手八脚     | 394 |
| 满盘皆输  | 656 | 一塌糊涂   | 652 | 三姓之好     | 152 | 七长八短     | 393 |
| 一望无际  | 652 | 一概而论   | 642 | 三豕为虐     | 152 | 七老八十     | 393 |
| 一掷千金  | 656 | 一路平安   | 646 | 三桃杀三士    | 152 | 七死八活     | 394 |
| 一掷百万  | 656 | 一路顺风   | 646 | 十万火急     | 484 | 七言八语     | 394 |
| 一掷乾坤  | 657 | 一路福星   | 646 | 十日之饮     | 484 | 七扭八歪     | 393 |
| 一蛇二首  | 650 | 一筹莫展   | 640 | 十风五雨     | 483 | 七折八扣     | 394 |
| 一蛇吞象  | 650 | 一辞莫赞   | 640 | 十日所视,    |     | 七步之才     | 393 |
| 一唱一和  | 639 | 一触即发   | 640 | 十手所指     | 483 | 七事八事     | 394 |
| 一盘散沙  | 648 | 一触即溃   | 640 | 十羊九牧     | 484 | 七洞八孔     | 393 |
| 一得之见  | 641 | 一模一样   | 647 | 十字街头     | 484 | 七拼八凑     | 393 |
| 一得之功  | 641 | 一策一瓢   | 641 | 十年九不遇    | 483 | 七窍生烟     | 393 |

## 二画

## 〔一起〕

|       |     |        |     |       |     |         |     |
|-------|-----|--------|-----|-------|-----|---------|-----|
| 七高八低  | 393 | 了身达命   | 325 | 八斗之才  | 7   | 人心惟危    | 439 |
| 七情六欲  | 393 | 了身脱命   | 325 | 八方支援  | 7   | 人心惶惶    | 438 |
| 七推八阻  | 394 | 了然于怀   | 325 | 八方呼应  | 7   | 人无远虑,   |     |
| 七零八落  | 393 | 又生一秦   | 688 | 八公山上, |     | 必有近忧    | 438 |
| 七横八竖  | 393 | [十起]   |     | 草木皆兵  | 7   | 人云亦云    | 439 |
| 七擒七纵  | 393 | 卜宅卜邻   | 42  | 八仙过海, |     | 人不可貌相   | 434 |
| 七颠八倒  | 393 | 卜昼卜夜   | 42  | 各显神通  |     | 人不知,鬼不觉 |     |
| 七嘴八舌  | 394 | 卜数只偶   | 41  | 八字打开  | 8   |         | 434 |
| [一七起] |     | [月起]   |     | 八百孤寒  | 7   | 人不聊生    | 434 |
| 刁钻古怪  | 133 | 几次三番   | 255 | 八花九裂  | 7   | 人中之龙    | 439 |
| 刁钻刻薄  | 133 | 九十其仪   | 286 | 八荒之外  | 7   | 人中狮子    | 439 |
| 刁滑奸诈  | 133 | 九九归一   | 286 | 八面见光  | 7   | 人中骠骑    | 439 |
| 刀山火海  | 125 | 九天九地   | 286 | 八面见线  | 7   | 人以群分    | 439 |
| 刀山剑树  | 125 | 九五之尊   | 287 | 八面玲珑  | 7   | 人手一册    | 438 |
| 刀头舔蜜  | 125 | 九牛一毛   | 286 | 八面威风  | 8   | 人头畜鸣    | 438 |
| 刀光剑影  | 125 | 九牛二虎之力 | 286 | 八拜之交  | 7   | 人去楼空    | 437 |
| 刀耕火耨  | 125 | 九世之仇   | 286 | 八街九陌  | 7   | 人生七十古来稀 |     |
| 刀锯鼎镬  | 125 | 九朽一罢   | 287 | 人一己百  | 439 |         | 437 |
| 力不从心  | 318 | 九死一生   | 286 | 人人自危  | 437 | 人生如寄    | 437 |
| 力不胜任  | 318 | 九层之台,  |     | 人人皆知  | 437 | 人生如朝露   | 438 |
| 力不能支  | 318 | 起于垒土   | 286 | 人亡物在  | 438 | 人老珠黄    | 436 |
| 力壮身强  | 319 | 九转功成   | 287 | 人之将死, |     | 人地生疏    | 435 |
| 力尽神危  | 318 | 九泉之下   | 286 | 其言也善  | 439 | 人死留名    | 438 |
| 力尽筋疲  | 318 | 九流三教   | 286 | 人之常情  | 439 | 人百其身    | 434 |
| 力争上游  | 319 | 九流宾客   | 286 | 人才济济  | 434 | 人而无信,   |     |
| 力穷势孤  | 319 | 九烈三贞   | 286 | 人才荟萃  | 434 | 不知其可    | 435 |
| 力孤势危  | 318 | 九原可作   | 287 | 人才辈出  | 434 | 人存政举,   |     |
| 力所不逮  | 319 | 九鼎大吕   | 286 | 人大心大  | 435 | 人亡政息    | 435 |
| 力所能及  | 319 | 九霄云外   | 287 | 人山人海  | 437 | 人尽其才    | 436 |
| 力疾从公  | 318 | 九儒十丐   | 286 | 人为刀俎, |     | 人欢马叫    | 435 |
| 力挽狂澜  | 319 | 乃心王室   | 366 | 我为鱼肉  | 438 | 人问此心,   |     |
| 力敌势均  | 318 | 匕鬯不惊   | 25  | 人心大快  | 438 | 心同此理    | 438 |
| 力透纸背  | 319 | 儿女之债   | 151 | 人心不古  | 438 | 人多口杂    | 435 |
| 力能扛鼎  | 318 | 儿女情长   | 150 | 人心向背  | 439 | 人多手杂    | 435 |
| 力排众议  | 319 | 八九不离十  | 7   | 人心如面  | 438 | 人多势众    | 435 |
| 了不长进  | 325 | 八门五花   | 7   | 人心汹汹  | 439 | 人多智广    | 435 |
| 了如指掌  | 325 |        |     | 人心所向  | 438 | 人自为战    | 440 |

|         |     |      |     |       |     |         |     |
|---------|-----|------|-----|-------|-----|---------|-----|
| 人仰马翻    | 439 | 人欲横流 | 439 | 亡国之余  | 553 | 三三五五    | 457 |
| 人众胜天    | 439 | 人琴俱亡 | 437 | 亡国之事  | 553 | 三三两两    | 457 |
| 人穷志短    | 437 | 人强马壮 | 437 | 亡国之音  | 553 | 三寸之舌    | 455 |
| 人言可畏    | 439 | 人喊马嘶 | 435 | 亡国之语  | 553 | 三马同槽    | 456 |
| 人言啧啧    | 439 | 人微权轻 | 438 | 亡国之道  | 553 | 三山二水    | 457 |
| 人弃我取    | 437 | 人微言轻 | 438 | 亡国之器  | 553 | 三六九等    | 456 |
| 人问地狱    | 436 | 人模人样 | 437 | 亡国破家  | 553 | 三户亡秦    | 456 |
| 人来人往    | 436 | 入门问讳 | 451 | 亡国富库  | 553 | 三心二意    | 458 |
| 人寿年丰    | 438 | 入门杖子 | 451 | 亡命之徒  | 553 | 三天打鱼,   |     |
| 人声鼎沸    | 438 | 入乡随乡 | 452 | 亡戟得矛  | 553 | 两天晒网,   | 458 |
| 人扶人兴    | 435 | 入木三分 | 451 | 亡魂落魄  | 553 | 三五成群    | 458 |
| 人困马乏    | 436 | 人不敷出 | 451 | 亡魂丧胆  | 553 | 三瓦两舍    | 458 |
| 人财两空    | 434 | 入水问渔 | 452 | 广土众民  | 208 | 三日不弹,   |     |
| 人定胜天    | 435 | 人主出奴 | 451 | 广开门路  | 207 | 手生荆棘    | 457 |
| 人怕出名猪怕壮 | 437 | 人世不深 | 452 | 广开才路  | 207 | 三从四德    | 454 |
|         |     | 人圣超凡 | 451 | 广开言路  | 207 | 三长两短    | 454 |
| 人事代谢    | 438 | 入地无门 | 451 | 广师求益  | 208 | 三风五气    | 455 |
| 人取我与    | 437 | 入吾彀中 | 452 | 广庭大众  | 208 | 三分鼎足    | 455 |
| 人杰地灵    | 436 | 入国问俗 | 451 | 广种薄收  | 208 | 三公九脚    | 455 |
| 人非木石    | 435 | 入舍女婿 | 451 | 之乎者也  | 716 | 三头二面    | 458 |
| 人非圣贤,   |     | 入室升堂 | 452 | 之死靡它  | 716 | 三头六臂    | 458 |
| 孰能无过    | 435 | 入室操戈 | 452 | 门户之见  | 348 | 三头两绪    | 458 |
| 人命关天    | 436 | 入神之作 | 451 | 门无杂宾  | 348 | 三占从二    | 458 |
| 人命危浅    | 436 | 人骨相思 | 451 | 门不停宾  | 348 | 三生有幸    | 457 |
| 人神共愤    | 437 | 入铁主簿 | 452 | 门可罗雀  | 348 | 三仕三已    | 457 |
| 人荒马乱    | 435 | 入情人理 | 451 | 门当户对  | 348 | 三令五申    | 456 |
| 人面桃花    | 436 | 入幕之宾 | 451 | 门庭若市  | 348 | 三军易得,   |     |
| 人面兽心    | 436 | 入境问禁 | 451 | 门禁森严  | 348 | 一将难求,   | 456 |
| 人怨天怒    | 439 |      |     | 门墙桃李  | 348 | 三过其门而不入 | 456 |
| 人给家足    | 435 | 三 画  |     |       |     |         |     |
| 人浮于事    | 435 | 〔一起〕 |     | 〔一起〕  |     |         |     |
| 人离乡贱    | 436 | 亡人自存 | 553 | 三十三天  | 457 | 三阳开泰    | 458 |
| 人离家散    | 436 | 亡羊之叹 | 554 | 三十六行  | 457 | 三贞九烈    | 459 |
| 人莫予毒    | 436 | 亡羊补牢 | 553 | 三十六策, |     | 三年之艾    | 457 |
| 人谋不臧    | 437 | 亡羊得牛 | 553 | 走为上计  | 457 | 三年不窥园   | 456 |
| 人情世故    | 437 | 亡国之主 | 553 | 三人成虎  | 457 | 三旬九食    | 458 |
| 人情冷暖    | 437 | 亡国之臣 | 553 | 三人行,  |     | 三好两歹    | 456 |
|         |     |      |     | 必有我师  | 457 | 三灾八难    | 458 |

|          |     |        |     |       |     |         |     |
|----------|-----|--------|-----|-------|-----|---------|-----|
| 三言两语     | 458 | 干城之将   | 148 | 寸丝不挂  | 110 | 与世沉浮    | 691 |
| 三坟五典     | 455 | 干柴烈火   | 148 | 寸丝半粟  | 110 | 与世假仰    | 691 |
| 三更半夜     | 455 | 干卿何事   | 148 | 寸阴尺璧  | 110 | 与世隔绝    | 691 |
| 三折肱, 为良医 | 459 | 于飞之乐   | 688 | 寸阴若岁  | 110 | 与民更始    | 690 |
|          | 459 | 于今为烈   | 688 | 寸进尺退  | 109 | 与众不同    | 691 |
| 三豕涉河     | 457 | 下马看花   | 587 | 寸步不离  | 109 | 与虎添翼    | 690 |
| 三男两女     | 456 | 下不为例   | 587 | 寸步难行  | 109 | 与虎谋皮    | 690 |
| 三足鼎立     | 459 | 下车伊始   | 587 | 寸利必得  | 109 | 与鬼为邻    | 690 |
| 三位一体     | 458 | 下车泣罪   | 587 | 寸草不生  | 109 | 万人空巷    | 551 |
| 三余读书     | 458 | 下气怡声   | 587 | 寸草不留  | 109 | 万丈光芒    | 552 |
| 三纲五常     | 455 | 下阪走丸   | 587 | 寸草春晖  | 109 | 万丈高楼平地起 |     |
| 三纸无驴     | 459 | 下乔入幽   | 587 | 寸量铢称  | 110 |         | 552 |
| 三迭阳关     | 455 | 下里巴人   | 587 | 寸馨风檐  | 109 | 万马齐喑    | 552 |
| 三朋四友     | 457 | 下笔千言   | 587 | 才子佳人  | 70  | 万马争先,   |     |
| 三姑六婆     | 455 | 下笔成章   | 587 | 才艺卓绝  | 69  | 骅骝落后    | 551 |
| 三亲六故     | 457 | 下情上达   | 587 | 才气过人  | 69  | 万马奔腾    | 551 |
| 三亲六眷     | 457 | 下塞上聋   | 587 | 才尽词穷  | 69  | 万户千门    | 550 |
| 三战三北     | 458 | 工力悉敌   | 194 | 才华盖世  | 69  | 万无一失    | 552 |
| 三思而行     | 458 | 工欲善其事, |     | 才怀隋和  | 69  | 万夫不当之勇  | 550 |
| 三复白圭     | 455 | 必先利其器  | 194 | 才兼文武  | 69  | 万夫莫当    | 550 |
| 三复斯言     | 455 | 士为知己者死 | 489 | 才高八斗  | 69  | 万不失一    | 550 |
| 三皇五帝     | 456 | 士穷见节   | 489 | 才高意广  | 69  | 万不耐一    | 550 |
| 三班六房     | 454 | 土木形骸   | 542 | 才望兼隆  | 69  | 万不得已    | 550 |
| 三顾茅庐     | 455 | 土牛木马   | 542 | 才望高雅  | 69  | 万水千山    | 552 |
| 三兽渡河     | 457 | 土龙乌狗   | 542 | 才疏志大  | 69  | 万头攒动    | 552 |
| 三教九流     | 456 | 土生土长   | 542 | 才疏学浅  | 69  | 万世一时    | 552 |
| 三曹对案     | 454 | 土阶茅屋   | 542 | 才疏智浅  | 69  | 万世师表    | 551 |
| 三推六问     | 458 | 土鸡瓦犬   | 542 | 才疏意广  | 69  | 万古千秋    | 550 |
| 三衅三浴     | 458 | 土法上马   | 542 | 才貌双全  | 69  | 万古不变    | 550 |
| 三朝元老     | 454 | 土洋结合   | 542 | 才德兼备  | 69  | 万古不磨    | 550 |
| 三番五次     | 455 | 土崩瓦解   | 542 | 与人方便, |     | 万古长存    | 550 |
| 三缄其口     | 456 | 土崩鱼烂   | 542 | 自己方便  | 691 | 万古长青    | 550 |
| 三魂七魄     | 456 | 土豪劣绅   | 542 | 与人为善  | 691 | 万古流芳    | 550 |
| 三徵七辟     | 459 | 土壤细流   | 542 | 与日俱增  | 691 | 万民涂炭    | 551 |
| 三翻四覆     | 455 | 寸土不让   | 110 | 与世无争  | 691 | 万目睽睽    | 551 |
| 干云蔽日     | 148 | 寸土必争   | 110 | 与世长存  | 691 | 万死一生    | 552 |
| 干名采誉     | 148 | 寸木岑楼   | 110 | 与世长辞  | 691 | 万死不辞    | 552 |



|        |     |       |     |       |     |      |     |
|--------|-----|-------|-----|-------|-----|------|-----|
| 万死犹轻   | 552 | 万籁俱寂  | 551 | 大而无当  | 114 | 大显神通 | 118 |
| 万岁千秋   | 552 | 大刀阔斧  | 114 | 大而化之  | 114 | 大海捞针 | 115 |
| 万全之策   | 551 | 大人虎变  | 117 | 大吃一惊  | 113 | 大家闺秀 | 116 |
| 万众一心   | 552 | 大千快上  | 115 | 大同小异  | 118 | 大莫与京 | 117 |
| 万众睢睢   | 552 | 大才槃槃  | 113 | 大名鼎鼎  | 116 | 大获全胜 | 116 |
| 万应灵丹   | 552 | 大大咧咧  | 114 | 大杀风景  | 117 | 大获全胜 | 116 |
| 万寿无疆   | 552 | 大千世界  | 117 | 大言不惭  | 119 | 大器晚成 | 119 |
| 万劫不复   | 550 | 大义灭亲  | 119 | 大言欺人  | 119 | 大难不死 | 117 |
| 万里长征   | 551 | 大义凛然  | 119 | 大快人心  | 116 | 大难临头 | 117 |
| 万里长城   | 551 | 大方之家  | 114 | 大块文章  | 116 | 大笔一挥 | 113 |
| 万里鹏程   | 551 | 大开眼界  | 116 | 大声疾呼  | 118 | 大笔如椽 | 113 |
| 万变不离其宗 | 549 | 大书特书  | 118 | 大材小用  | 113 | 大敌当前 | 114 |
| 万事大吉   | 552 | 大气磅礴  | 117 | 大杖则走  | 119 | 大惊小怪 | 116 |
| 万事亨通   | 552 | 大手大脚  | 118 | 大张其词  | 119 | 大惊失色 | 116 |
| 万事俱备,  |     | 大风大浪  | 115 | 大张挞伐  | 119 | 大梦初醒 | 116 |
| 只欠东风   | 552 | 大仁大义  | 117 | 大张旗鼓  | 119 | 大瓠之用 | 115 |
| 万贯家私   | 550 | 大公无私  | 115 | 大步流星  | 113 | 大做文章 | 120 |
| 万物皆备于我 | 552 | 大巧若拙  | 117 | 大旱望云霓 | 115 | 大喜过望 | 118 |
| 万念俱灰   | 551 | 大功告成  | 115 | 大吵大闹  | 113 | 大惑不解 | 116 |
| 万刚千刀   | 550 | 大可不必  | 116 | 大吹大擂  | 114 | 大厦将倾 | 117 |
| 万选青钱   | 552 | 大可师法  | 116 | 大吹法螺  | 114 | 大喊大叫 | 115 |
| 万流景仰   | 551 | 大节不夺  | 116 | 大舍细入  | 115 | 大智若愚 | 119 |
| 万家长佛   | 550 | 大打出手  | 114 | 大法小廉  | 114 | 大街小巷 | 116 |
| 万家灯火   | 550 | 大失所望  | 118 | 大放厥词  | 115 | 大慈大悲 | 114 |
| 万恶之源   | 550 | 大处着眼, |     | 大雨滂沱  | 119 | 大谬不然 | 116 |
| 万乘之尊   | 551 | 小处着手  | 113 | 大势已去  | 118 | 大福不再 | 115 |
| 万般无奈   | 549 | 大处落墨  | 113 | 大势所趋  | 118 | 大摇大摆 | 119 |
| 万般皆下品, |     | 大发慈悲  | 114 | 大轰大嗡  | 115 | 大错特错 | 114 |
| 唯有读书高  | 549 | 大发雷霆  | 114 | 大呼小叫  | 115 | 大腹便便 | 115 |
| 万象回春   | 552 | 大发横财  | 114 | 大命将泛  | 116 | 大模大样 | 117 |
| 万象更新   | 552 | 大兴土木  | 118 | 大逆不道  | 117 | 大澈大悟 | 113 |
| 万象森罗   | 552 | 大权独揽  | 117 | 大庭广众  | 118 | 大醇小疵 | 114 |
| 万紫千红   | 553 | 大权旁落  | 117 | 大树将军  | 118 | 大题小作 | 118 |
| 万缕千丝   | 551 | 大有人在  | 119 | 大相径庭  | 118 | 大德不酬 | 114 |
| 万签插架   | 551 | 大有文章  | 119 | 大勇若怯  | 119 | 大辩若讷 | 113 |
| 万箭攒心   | 550 | 大有可为  | 119 | 大是大非  | 118 | 大器晚成 | 117 |
| 万壑争流   | 550 | 大有作为  | 119 | 大显身手  | 118 | 代人何算 | 668 |